विकास संवाद मीडिया लेखन एवं शोध फैलोशिप २०१२

- 2012
  २०१२

विकास संवाद पिछले सात सालों से जनसरोकार व सामाजिक मुद्दों पर मध्यप्रदेश के पत्रकारों को लेखन एवं शोध हेतु फैलोशिप कार्यक्रम संचालित करता है। फैलोशिप का मकसद मुख्यधारा मीडिया में सामाजिक मुद्दों का दायरा व्यापक बनाना है। फैलोशिप फील्ड रिपोर्टिंग को बढ़ावा देने और पत्रकारीय दृष्टिकोण के साथ संबंधित विषय पर शोध कार्य करने के लिए प्रेरित करती है।

[Type the document subtitle]

विकास संवाद के बारे में :

विकास संवाद की सोच एक ऐसे दौर की उपज है जब मुख्यधारा मीडिया बाजार से लगातार प्रभावित होकर जनसरोकार और आम लोगों के मुद्दों के लिए लगातार कम जगह करता जा रहा था। पिछले दस सालों में विकास संवाद ने मीडिया और जनमुद्दों पर काम कर रहे लोगों के बीच एक सेतु बनने की कोशिश की है। इससे मुद्दों का दायरा तो व्यापक हुआ ही है, विकास के मुद्दों पर काम करने वाले पत्रकारों का अनौपचारिक समूह भी इस कोशिश में साथ हुआ है। विकास के मुद्दों पर लगातार संवाद ही हमारी शक्ति है। मीडिया फैलोशिप इस कार्य को व्यापक करने का एक माध्यम है। यह विकास संवाद मीडिया पफैलोशिप का आठवां साल है। इस फैलोशिप के अंतर्गत अब तक पचास पत्रकार साथी लेखन और शोध कार्य कर चुके हैं।

फैलोशिप के विषय

- बच्चों का स्वास्थ्य और पोषण
- पलायन और विस्थापन
- आदिवासी स्वास्थ्य
- शहरी गरीबी
- शिक्षा का अधिकार
- बहिष्कार

इन छह फैलोशिप में से एक फैलोशिप इलेक्ट्रॉनिक/रेडियो मीडिया के लिये व शेष पांच फैलोशिप हिन्दी व अंग्रेजी के प्रिंट/वेब मीडिया के पत्रकारों के लिए है। फैलोशिप की सम्मान राशि प्रतिमाह 15,000 रूपये है जिसमें यात्रा व्यय भी शामिल हैं।

फैलोशिप चयन का आधार

चार-पांच वर्ष का सक्रिय अनुभव वाले मुद्दों की पत्रकारिता से जुड़े पत्रकारों, क्षेत्रीय एवं महिला पत्रकारों को प्राथमिकता दी जाएगी। छह माह की फैलोशिप में संबंधित विषय पर फैलो को एक शोध-पत्र तैयार करना होगा। उसे शोध के लिए एक माह की छुट्टी लेकर या प्रत्येक माह में कम से कम पांच दिन का क्षेत्र भ्रमण करना अनिवार्य है। विकास संवाद फैलोशिप में फैलोज का चयन और समीक्षा वरिष्ठ संपादकों का एक निर्णायक मंडल स्वतंत्र रूप से करता है। विकास संवाद इस फैलोशिप में एक प्रस्तोता की भूमिका निर्वाह करता है।

कैसे आवेदन करें

आवेदनों पर विचार कर उम्मीदवारों के चयन का कार्य वरिष्ठ संपादकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की एक स्वतंत्र समिति करेगी। *विकास संवाद फैलोशिप* से संबंधित आवेदन-पत्र का प्रारूप पत्रकार अपने संपादक के कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। ई-मेल भेजकर या पत्र लिखकर विकास संवाद से आवेदन पत्र मंगाया भी जा सकता है। www.mediaforrights.org से आवेदन डाउनलोड भी किया जा सकता है। फैलोशिप के लिए आवेदन करने की अंतिम 1 फरवरी, 2012 है।

विकास संवाद फैलोशिप ज्यूरी

- श्री एनके सिंह, संपादक, पीपुल्स समाचार, मध्यप्रदेश
- श्री अरविंद मोहन, वरिष्ठ विकास पत्रकार, नई दिल्ली
- सुश्री अन्नू आनंद, वरिष्ठ विकास पत्रकार, नई दिल्ली
- श्री पीपी सिंह, विभागाध्यक्ष, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विवि भोपाल
- सुश्री रजनी बख्शी

फैलोशिप के नियम

- फैलो को निर्धारित अवधि तक नियमानुसार कार्य करना होगा, जिसमें प्रत्येक माह उन्हें अनिवार्यतः कम से कम पांच दिन अध्ययन भ्रमण करना होगा।
- प्रिंट मीडिया के फैलो को हर माह अपने मुद्दे पर प्रतिष्ठित समाचार-पत्र/पत्रिका में चार सामग्रियों का प्रकाशन कराना होगा। छह माह में कम से कम 24 आलेखों या विस्तृत समाचारों के प्रकाशन की अनिवार्यता रहेगी। इनमें 4 नीतिगत् मुधों पर विस्तृत आलेख 1500 शब्दों में होना अनिवार्य है।
- इलेक्ट्रानिक मीडिया के फैलो को हर माह दो स्टोरी और कुल 12 स्टोरी करनी होगी। बाद में एक विस्तृत रिपोर्ट इलेक्ट्रानिक रूप में देना अनिवार्य है।
- फैलोशिप में चयनित विषय पर फैलोशिप की समाप्ति पर फैलो को एक विस्तृत शोधपत्र व एक अनुभव आधारित रिपोर्ट चयन समिति को प्रस्तुत करना होगा।
- प्रत्येक फैलो को फैलोशिप के रूप में निर्धारित अवधि तक प्रत्येक माह पंद्रह हजार रूपए (11,000.00) की सम्मान राशि दी जाएगी, जिसमें यात्रा व्यय एवं अन्य सभी खर्च समाहित होंगे। सम्मान राशि प्रति तीन माह में रिपोर्ट और शोध-पत्र जमा करने के बाद या समीक्षा के बाद ही दी जाएगी।
- प्रत्येक फैलो को प्रति माह कार्य की प्रगति रिपोर्ट देनी होगी। विकास संवाद द्वारा आयोजित समीक्षा बैठक में उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- कार्य मापदण्डों के अनुरूप न होने पर समीक्षा समिति की अनुशंसा के आधार पर फैलोशिप को बीच में समाप्त किया जा सकता है।
- विकास संवाद के फैलोशिप के दरम्यान फैलो को किसी अन्य फैलोशिप करने की पात्रता नहीं होगी।

फैलोशिप चयन के मापदंड

- मध्यप्रदेश में कार्यरत।
- पत्रकारिता में पांच वर्ष का अनुभव।
- विकास के मुद्दों पर लेखन का अनुभव।
- फैलोशिप में शोध के लिए एक माह की अनिवार्य छुट्टी की सहमति।
- प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में अध्ययन भ्रमण में सक्षम।
- अखबार के संपादक से फैलोशिप के अंतर्गत तैयार सामग्री के प्रकाशन का सहमति-पत्र ।
- स्वतंत्र पत्रकार के संबंध में कम से कम दो प्रतिष्ठित समाचार-पत्र/पत्रिका के संपादकों की सहमति और अनुशंसा-पत्र।
- चयनित विषय पर अवधारणात्मक समझ।

संलग्नक

- आवेदन पत्र।
- बायोडाटा।
- अनुभव प्रमाण-पत्र।
- चयनित विषय की अवधारणात्मक समझ पर 1500 शब्दों का एक आलेख।
- चयनित विषय पर किए जाने वाले शोध का प्रस्ताव । जिसमें फैलोशिप के तहत काम करने की रणनीति दर्शाते हुए एक प्रस्ताव (विषय चयन का आधार, विषय से जुड़े विभिन्न पहलू, अध्ययन क्षेत्र आदि का जिक्र हो)
- संपादक का सहमति-पत्र।(स्वतंत्र पत्रकार के लिए दो अखबारों के संपादकों का सहमति-पत्र)।
- सामाजिक मुद्दों पर प्रकाशित पांच लेखों/समाचारों की छाया प्रति (पांच से अधिक नहीं)।
- आपके कार्य को जानने वाले दो संदर्भ व्यक्तियों के नाम।

अंतिम तिथि 1 फरवरी 2012

समन्वयक, विकास संवाद मीडिया फैलोशिप

ई–7/226, प्रथम तल, अरेरा कॉलोनी, धनवन्तरी परिसर के सामने, शाहपुरा, भोपाल, फोन : 0755–4252789

email :vikassamvad@gmail.com, Website: mediaforrights.org